University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 16 January 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में दाखिले के लिए होंगे अलग डीन

विश्वविद्यालय परिसर में होगा स्थायी कार्यालय

माई सिटी रिपोर्टर

प्रवेश की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए कई सुधार किए जा रहे हैं। इसी के तहत डीन प्रवेश का पद सृजित किया जा रहा है। इससे प्रवेश की प्रक्रिया और भी प्रभावी ढंग से सम्पन्न हो सकेगी।
– प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

डीन के अधीन होंगे विभाग स्तर पर दाखिले

लविवि में किसी एक विषय का रिजल्ट रुकने या उसमें देरी होने की स्थिति में बाकी के दाखिले प्रभावित न हो इसकी योजना भी तैयार की गई है। इसके तहत दाखिले डीन प्रवेश के अधीन होंगे पर उसकी प्रक्रिया संबंधित विभाग के स्तर से होगी। इस तरह से प्रवेश बिना किसी परेशानी के हो सकेंगे।

गेट नंबर एक पर बनाया स्थायी कार्यालय

विवि के गेट नंबर एक पर अब स्थायी कार्यालय बनाया गया है। प्रवेश संबंधी सभी दस्तावेज यहां सुरक्षित रखे जाएंगे। प्रवेश समन्वयक बदलने के साथ ही कार्यालय बदलने की व्यवस्था भी इसके साथ ही समाप्त हो जाएगी।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय दाखिले प्रक्रिया की स्थायी व्यवस्था करने जा रहा है। इसके तहत डीन एडमिशन के रूप में एक नई पोस्ट होगी और अलग से स्थायी ऑफिस होगा। हर बार दाखिले के लिए बनाया जाने वाला पोर्टल भी अब स्थायी रूप से संचालित होगा। नई व्यवस्था से जहां दाखिलों में पारदर्शिता आएगी, वहीं कम खर्च में रिकॉर्ड को अच्छी तरह से रखा जा सकेगा।

विश्वविद्यालय में प्रवेश और परीक्षा सतत प्रक्रिया है। हर साल दोनों होते हैं। परीक्षा के लिए स्थायी रूप से परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति होती है, पर प्रवेश के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। प्रवेश समन्वयक के नाम से यहां दाखिले के लिए अस्थायी व्यवस्था की जाती है। ऐसे में दाखिले के लिए पोर्टल आदि की व्यवस्था भी की जाती है। इस पर काफी खर्च होता है। इसको देखते हुए लविवि में डीन प्रवेश के नाम से एक नया पद सृजित करने की योजना तैयार की गई है। इसके तहत अब लविवि में डीन एडमिशन भी होगा। लविवि ने हाल ही में डीन शोध, डीन एकेडमिक्स और डीन नियुक्ति के नाम से तीन नए पद सृजित किए थे। हालांकि ये पद सिर्फ प्रशासनिक कामकाज के लिए ही हैं। इसकी जिम्मेदारी किसी शिक्षक को ही दी जा रही है तथा इसके लिए कोई अतिरिक्त भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। इसी तर्ज पर अब डीन प्रवेश का पद होगा। आगे आने वाले दाखिले इसी के अधीन ही होंगे।

i-NEXT PAGE 4

एडमिशन कोऑर्डिनेटर के 'कंट्रोल' से बाहर हुई परीक्षा, डीन को जिम्मा

i SPECIAL

एलयू में एडमिशन के लिए बनेगी नई व्यवस्था, होगी डीन पद की स्थापना

CONCEPT PIC

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी में नए सेशन से एडमिशन के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त नहीं होगा, इसके स्थान पर अधिष्ठाता डीन की तैनाती की जाएगी. डीन का कार्यकाल यूनिवर्सिटी के दूसरे संकायों के डीन के बराबर होगा. इसका चयन किस आधार पर होगा, इसकी रूपरेखा जल्द तैयार की जाएगी. वीसी नए सेशन 2021–22 की एडमिशन प्रक्रिया में बदलाव की घोषणा कर चुके हैं. यूनिवर्सिटी में मौजूदा समय में नौ डीन है, अब एडमिशन डीन की नियुक्ति होगी.

इसलिए उठाया कदम

ज्ञात हो कि इस साल पीजी कोर्सेज के एडमिशन प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी सामने आई थी. पीजी कोर्सेज में एडमिशन के लिए आयोजित एंट्रेंस एग्जाम के बाद तैयार की गई मेरिट अचानक से रातों रात बदल दी गई. मामला प्रकाश में आने के बाद वीसी ने इस पूरे मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था. कमेटी ने पाया था कि पीजी कोर्सेज के एंट्रेंस एग्जाम के ओएमआर को उसकी आंसर की से न जांच कर दूसरे सेट की आंसर की से जांच दिया गया था. यह गड़बड़ी आधा दर्जन से अधिक कोर्सेज में सामने आई थी. इसे देखते हुए ही यह कदम उठाया जा रहा है.

डीन की अध्यक्षता में प्रक्रिया

वीसी पहले ही पीजी व पीएचडी के एडमिशन डिपार्टमेंट लेवल पर कराने की घोषणा कर चुके हैं. वहीं यूजी कोर्सेज के एडमिशन पूर्व की भांति ही होंगे. हालांकि इसकी निगरानी भी डीन ही करेंगे. गौरतलब है कि हर साल एडमिशन को लेकर कोई न कोई बवाल सामने आते रहते थे. जिसके बाद वीसी ने अब इस प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रहे हैं.

एडमिशन पोर्टल बनाने की भी हो रही है तैयारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी एडमिशन प्रक्रिया आयोजित करने के लिए हर साल थर्ड पार्टी की मदद लेता है. ऐसे में कई बार डाटा फिडिंग और मेरिट तैयार करने में गड़बड़ियां सामने आती है. ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन डीन की निगरानी में एक पोर्टल बनाने जा रहा है, जिसके माध्यम से ही आगे एडमिशन प्रक्रिया कराई जाएगी.

कोरोना काल में परीक्षा की घड़ी

LUCKNOW (15 Jan, inext): कोरोना काल में लंबे समय से टल रहे स्कूल-कॉलेजों के एग्जाम फिर से शुरू हो गए हैं. शुक्रवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी में सेमेस्टर एग्जाम शुरू हुए, वही यूपी बोर्ड के प्री-बोर्ड एग्जाम भी शुरू हो गए. इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन सख्ती से करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं.

एग्जाम के दौरान लाइट गोल

एग्जाम के दौरान एक स्टूडेंट को मोबाइल के साथ पकड़ा गया

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

● निरीक्षण करते एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय.

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी में शुक्रवार से बैक और इंप्रूवमेंट एग्जाम शुरू हो गए, एग्जाम के पहले दिन डिग्री कॉलेजों में बने सेंटर्स में कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन नहीं किया गया. वहीं सेंटर्स में एग्जाम रूम तलाशने में भी स्टूडेंट्स को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. एलयू में चीफ प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने खुद स्टूडेंट्स को एग्जाम रूम बताकर उसमें भेजना शुरू किया.

गुल रही बिजली

एलयू में दोपहर बाद बिजली गुल होने से स्टूडेंट्स को काफी परेशानी हुई. कमरों में अंधेरा हो गया. वही, कुछ स्टूडेंट्स सुबह की जगह शाम को एग्जाम देने पहुंचे, जिन्हें वापस किया गया. एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बिजली की समस्या पूरे कैंपस और आसपास के क्षेत्र में थी. फीडर की गड़बड़ी होने के कारण बिजली व्यवस्था देर शाम को बहाल हो सकी.

एग्जाम में शामिल स्टूडेंट्स

- मॉर्निंग शिफ्ट में 1392 स्टूडेंट्स हुए शामिल
- इवनिंग शिफ्ट में 1066 स्टूडेंट्स शामिल हुए

स्टूडेंट के पास मिला मोबाइल

न्यू लॉ डिपार्टमेंट के अटल बिहारी ब्लॉक के कमरा नंबर छह में चेकिंग के दौरान शिया पीजी कॉलेज के बीए थर्ड ईयर के स्टूडेंट के पास से मोबाइल मिला. इस पर चीफ प्रॉक्टर ने मोबाइल जब्त कर यूएफएम (अनफेयर मीन्स) के तहत कार्रवाई की. वहीं वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कालीचरण पीजी कॉलेज का निरीक्षण किया.

कॉलेजों में कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से नहीं हुआ पालन.

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि को जल्द नए कैंपस की सौगात

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

मोहान रोड पर नए राजकीय कॉलेज के लिए बन रहा भवन विश्वविद्यालय को मिलेगा, शीघ्र की जाएगी सार्वजनिक घोषणा

शासन की ओर से इस मामले में मेरे पास अभी तक कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है। परिसर का दौरा करने के लिए कमेटी गई थी।
प्रो.आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

लखनऊ विश्वविद्यालय को जल्द ही एक और नए कैम्पस की सौगात मिल सकती है। इसके लिए मोहान रोड पर एक नए राजकीय डिग्री कॉलेज के लिए जो भवन बनाया जा रहा है, उसे विश्वविद्यालय को तीसरे कैम्पस के रूप में दिया जाएगा। शासन से सहमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय की तीन सदस्यीय टीम ने उस जगह का दौरा भी कर लिया है, जिसकी रिपोर्ट कुलपति कार्यालय को दे दी गई है। जल्द ही इसकी सार्वजनिक घोषणा की जा सकती है।

लविवि की स्थापना वर्ष 1921 में हुई थी। विश्वविद्यालय 100 साल में काफी विस्तार ले चुका है। अब विवि के ओल्ड और न्यू कैम्पस संचालित हैं। विवि से 173 महाविद्यालय भी सम्बद्ध हैं। इन सबको मिलाकर करीब डेढ़ लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अब विश्वविद्यालय को तीसरा कैम्पस दिए जाने की योजना है। उच्च शिक्षा विभाग ने अपनी तरफ से सहमति दे दी है।

13 हजार स्क्वायर मीटर में बन रहा भवन: मोहान रोड पर एक नया सरकारी महाविद्यालय के नाम से भवन तैयार किया जा रहा है। इसका परिसर करीब 13 हजार स्क्वायर मीटर का है। इसमें 1200 स्क्वायर मीटर पर चार मंजिला बिल्डिंग बन रही है। पहले शासन की मंशा थी कि यहां कॉलेज ही संचालित हो, लेकिन अब परिसर लविवि को तीसरे कैम्पस के रूप में देने की तैयारी है। बीते दिनों कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर प्रोफेसरों की तीन सदस्यीय कमेटी ने मोहान रोड स्थित परिसर का दौरा करते हुए इसकी रिपोर्ट कुलपति को सौंप दी। कमेटी के एक सदस्य के मुताबिक, जो कार्यदायी संस्था निर्माण करा रही है, उसने भी जल्द से जल्द इसे पूरा कराने के लिए बजट की मांग की है। बिल्डिंग भी काफी अच्छी बन रही है। कार्यदायी संस्था से कहा गया है कि बिल्डिंग में फर्नीचर आदि लगाकर दें।

अभी कोर्स तय नहीं: लविवि की मंशा है कि इस तीसरे नए परिसर में फार्मेसी, फूड टेक्नोलॉजी या कुछ रोजगार परक कोर्स शुरू किए जाएं, हालांकि अभी इस पर मंथन चल रहा है। शासन के आदेश के बाद आगे की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

अगले सत्र से एप्लाइड कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई

पुलक त्रिपाठी ● लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय

- नए सत्र से बीएससी इन डाटा साइंस पाठ्यक्रम भी होगा शुरू
- विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से योग्य बनाने का है मकसद

सिर्फ पांच डिप्लोमा कोर्स होंगे संचालित

विवि में अभी तक तीन दर्जन से अधिक डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे थे, इनमें कुछ में प्रवेश शून्य रहते हैं। इस पर विवि प्रशासन ने महज पांच महत्वपूर्ण व उपयोगी डिप्लोमा कोर्स ही संचालित करने का निर्णय लिया है और जिनमें दाखिले की संख्या शत-प्रतिशत है। बाकी को बंद कर दिया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय परंपरागत कोर्सों के साथ प्रोफेशनल कोर्स में भी छलांग लगाने जा रहा है। समय की मांग को देखते हुए विवि प्रशासन ने फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग में एप्लाइड कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया है।

विवि प्रशासन का दावा है कि इस कोर्स के शुरू होने से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर काबिलियत की दावेदारी कर सकेंगे। एप्लाइड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में 60 सीटें होंगी और इसकी पढ़ाई नए सत्र 2021-22 से शुरू होगी। इसके शुरू होने के साथ ही विवि के इंजीनियरिंग संकाय में छह कोर्स हो जाएंगे।

लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में पांच कोर्स संचालित हो रहे हैं। इनमें कंप्यूटर, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग कोर्स हैं। सभी कोर्स सेल्फ फाइनेंस के तहत संचालित हैं। इंजीनियरिंग कोर्स के पहले बैच के प्लेसमेंट की प्रक्रिया जारी है। विवि प्रशासन के अनुसार अधिकांश छात्र-छात्राओं का अच्छे पैकेज पर चयन हो चुका है।

बीएससी इन डेटा साइंस की भी शुरू होगी पढ़ाई: प्रोफेशनल कोर्स की श्रेणी में एक और कोर्स बीएसई इन डेटा साइंस की भी पढ़ाई अगले सत्र से शुरू होगी। इसको शुरू करने का मकसद छात्र-छात्रों को तकनीकी रूप से योग्य बनाना है।

बंद होंगे एमबीई और एमफिल: नई शिक्षा नीति के तहत पिछले चार-पांच वर्षों से अधर में लटके एमफिल कोर्स को लेकर चली आ रही ऊहापोह पर अब विराम लग गया है। अब एमफिल और अर्थशास्त्र विभाग में मास्टर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स (एमबीई) की पढ़ाई नहीं होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समय के अनुसार पाठ्यक्रम की महत्ता होती है, जिस पाठ्यक्रम की उपयोगिता नहीं रह गई, उसे संचालित करने का औचित्य नहीं है। इसलिए नई शिक्षा नीति के तहत मृत कोर्सों को बाहर कर, नए यानी जीवंत कोर्सों को शामिल किया गया।

HINDUSTAN PAGE 8

सेमेस्टर परीक्षाएं 28 से, कार्यक्रम जारी

लविवि

लखनऊ | **वरिष्ठ संवाददाता**

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं को कार्यक्रम शुक्रवार देर रात जारी कर दिया। यह परीक्षाएं आगामी 28 जनवरी से शुरू होंगी। परीक्षाएं दो पाली में कराई जाएगी। पहली पाली सुबह नौ बजे से साढ़े दस बजे तक व दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से साढ़े चार बजे तक आयोजित होगी।

परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर ए एम सक्सेना की ओर से देर रात यह कार्यक्रम जारी किया गया। यह परीक्षा एमसीक्यू पैटर्न पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 28 जनवरी से शुरू होकर 19 फरवरी को समाप्त होगी। वहीं बीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से शुरू होकर चार मार्च तक होंगी। बीकॉम तीसरे सेमेस्टर 28 जनवरी से शुरू होकर आठ फरवरी व बीकॉम पांचवें सेमेस्टर 29 जनवरी से शुरू होकर 11 फरवरी तक आयोजित होगी। इसके अलावा बीएससी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जनवरी से 15 फरवरी तक व बीएससी पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से 22 फरवरी तक होंगी।

बैकपेपर शुरू, मोबाइल के साथ पकड़ा छात्र

लविवि की बैकपेपर एवं इम्प्रूवमेंट परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गईं। दो पालियों में परीक्षा हुई। 2,458 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी कालीचरण पीजी कालेज का निरीक्षण करने पहुंचे। व्यवस्था ठीक मिली। उसके बाद न्यू लॉ ब्लॉक में परीक्षा का हाल भी देखा। परीक्षा कक्ष न मिलने को लेकर काफी छात्र परेशान दिखे। अटल बिहारी ब्लॉक में बीए का छात्र मोबाइल के साथ पकड़ा गया।

AMRIT VICHAR PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय | लविवि समेत तीन केंद्रों पर शुरू हुई बैकपेपर और इम्प्रूवमेंट की परीक्षा

पहले दिन 2458 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय सहित तीन परीक्षा केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन पालन के साथ शुक्रवार को बैकपेपर व इम्प्रूवमेंट परीक्षा शुरू हुयी। पहले दिन कुल 2458 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा के दौरान कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों से बातचीत भी किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय, श्री जय नारायण मिश्र कॉलेज और कालीचरण पीजी कॉलेज में परीक्षा शुरू हुयी। यह परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पद्धति (एमसीक्यू) के तहत आयोजित हुयी। इस परीक्षा में छात्रों को दोनों पालियों में एक घंटे का समय दिया गया था, जिस तय समय में उन्हें परीक्षा देनी थी। परीक्षा के दौरान किसी भी छात्र को अपनी तय जगह से हटकर बैठने की सहमति नही दी गयी थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दूसरी पाली की परीक्षा के दौरान कालीचरण पीजी कॉलेज और लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू लॉ बिल्डिंग का निरीक्षण किया। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रथम पाली में 684 व दूसरी पाली में 484 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसी प्रकार कालीचरन पीजी कालेज में प्रथम पाली में 289 व दूसरी पाली में 243 परीक्षार्थियों ने जबकि जेएनपीजी कालेज में प्रथम पाली में 419 व दूसरी पाली में 339 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसके अनुसार पहली पाली में कुल 1392 और दूसरी पाली में 1066 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी।

लविवि : 28 से स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं, लखनऊ: लविवि एवं संबद्ध महाविद्यालय की स्नातक तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से शुरू होंगी। शुक्रवार देर रात विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसका शेड्यूल जारी कर दिया। छात्र-छात्राएं स्कीम वेबसाइट www.lkouniv.ac.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमसीक्यू पैटर्न पर आधारित यह परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली में बीए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं सुबह नौ से 10.30 बजे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन से 4.30 बजे तक होंगी। बीए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से 19 फरवरी तक और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से चार मार्च तक होंगी। **बीकॉम :** बीकॉम तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 28 जनवरी से आठ फरवरी तक होंगी, जबकि पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेंगी। तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं को समय 12 से 1.30 तक रहेगा। **बीएससी :** तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जनवरी से 15 फरवरी तक, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से 22 फरवरी तक होंगी।

परीक्षा के दौरान कमरे में मिला मोबाइल

लविवि में बैक पेपर के दौरान छात्र के पास पकड़ा गया मोबाइल ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की बैक पेपर एवं इम्प्रूवमेंट परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गईं। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, कालीचरण पीजी कॉलेज एवं जेएन पीजी कॉलेज को सेंटर बनाया गया है। सुबह विवि परिसर में बिना थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइजर के परीक्षार्थियों को प्रवेश दे दिया गया। गेट पर कोई चेकिंग नहीं की गई। सीटिंग प्लान को लेकर भी परीक्षार्थी परेशान दिखे। वहीं, परीक्षा देते समय बीए तृतीय वर्ष के छात्र के पास मोबाइल पकड़ा गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में सुबह की पाली में 810 परीक्षार्थी आवंटित थे। 8.30 बजे से विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक, दो, चार और पांच से प्रवेश दिया गया। गेट नंबर दो पर कोई भी शिक्षक मौजूद नहीं थे। आर्ट्स फैकल्टी के पास चीफ प्रॉक्टर प्रो. दिनेश शर्मा अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। परीक्षा कक्ष न मिलने को लेकर काफी छात्र परेशान दिखे। इस दौरान जब सीटिंग प्लान के साथ कोई कर्मचारी नहीं दिखा तो चीफ प्रॉक्टर ने खुद ही परीक्षार्थियों को न्यू लॉ बिल्डिंग, आर्ट्स फैकल्टी के रूम नंबर बता कर भेजना शुरू किया। इसके बाद परीक्षा कमरों में मोबाइल चेकिंग अभियान चलाया गया। अटल बिहारी ब्लॉक के कमरा नंबर छह में शिया पीजी कॉलेज के बीए तृतीय वर्ष का छात्र मोबाइल के साथ पकड़ा गया। इस पर चीफ प्रॉक्टर ने उसका मोबाइल जब्त कर यूएफएम (अनफेयर मीन्स) के तहत कार्रवाई की। कालीचरण पीजी कॉलेज के परीक्षा केंद्र पर सुबह साढ़े सात बजे से परीक्षार्थियों की लाइन लग गई। 8.30 बजे गेट पर सैनिटाइजर से हैंडवॉश कराने के साथ ही सभी की थर्मल स्क्रीनिंग की गई।

दोपहर में गुल रही बिजली, छात्र परेशान: दोपहर में परीक्षा से कुछ देर पहले ही बिजली गुल हो गई। इस वजह से परीक्षार्थियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं, कुछ परीक्षार्थी सुबह की जगह शाम को परीक्षा देने पहुंचे, जिन्हें वापस किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी कालीचरण पीजी कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां व्यवस्था ठीक मिली।

बिजली की समस्या विश्वविद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में थी। शाम को बिजली आई। विद्यार्थियों को इससे दिक्कत होने की जानकारी नहीं है। पहले दिन दोनों पालियों में 2458 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।
डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

कुलपति ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा

पहले दिन कुल 2458 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लविवि समेत तीन केंद्रों पर हुई परीक्षा, परीक्षार्थियों से बात करते वीसी प्रो. आलोक कुमार राय

लखनऊ। लविवि सहित तीन परीक्षा केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन पालन के साथ शुक्रवार को बैकपेपर व इम्प्रूवमेंट परीक्षा शुरू हुयी। पहले दिन कुल 2458 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा के दौरान कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों से बातचीत भी किया।

लविवि श्री जय नारायण मिश्र कालेज और कालीचरण पीजी कालेज में परीक्षा शुरू हुयी। यह परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पद्धति (एमसीक्यू) के तहत आयोजित हुयी। इस परीक्षा में छात्रों को दोनों पालियों में एक घंटे का समय दिया गया था, जिस तय समय में उन्हें परीक्षा देनी थी। परीक्षा के दौरान किसी भी छात्र को अपनी तय जगह से हटकर बैठने की सहमति नही दी गयी थी। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर चाक चौबंद व्यवस्था रही। परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं को कोविड गाइडलाइन के अनुसार बैठाया गया। साथ ही मुख्य रूप से मास्क लगाने और सेनिटाइजर प्रयोग करने का निर्देश दिया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दूसरी पाली की परीक्षा के दौरान कालीचरण पीजी कालेज और लविवि के न्यू लॉ बिल्डिंग का निरीक्षण किया। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि प्रथम पाली में 684 व दूसरी पाली में 484 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसी प्रकार कालीचरन पीजी कालेज में प्रथम पाली में 289 व दूसरी पाली में 243 परीक्षार्थियों ने जबकि जेएनपीजी कालेज में प्रथम पाली में 419 व दूसरी पाली में 339 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसके अनुसार पहली पाली में कुल 1392 और दूसरी पाली में 1066 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी।

PIONEER PAGE 3

एलयू की बैकपेपर परीक्षाएं शुरू

लखनऊ(पीएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय की बैकपेपर-इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गईं। परीक्षा के पहले दिन विवि परीक्षा केंद्र से एक परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। बैकपेपर-इम्प्रूवमेंट की परीक्षा के पहले दिन विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कालीचरन पीजी कालेज केंद्र का निरीक्षण किया। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक मॉर्निंग शिफ्ट में कुल 1392 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि इवनिंग शिफ्ट में 1066 स्टूडेंट्स शामिल हुए।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू में यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूकता कार्यशाला

स्वतंत्र भारत,संवाददाता लखनऊ। विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की सचिव सपना त्रिपाठी और संकाय के अधिष्ठाता प्रो डॉ सी पी सिंह के मार्गदर्शन में यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिबन्ध एवं प्रतिशोध) अधिनियम, 2013 पर पायोनियर मोंटेसरी स्कूल , जानकीपुरम में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। विधिक सहायता केंद्र ने अपने इस जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में इस कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने ये बताया कि कार्यस्थलों पर महिलाओं का कैसे यौन उत्पीड़न की शिकार होती है और कैसे किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कोई कृत्य उत्पीड़न के श्रेणी में आता है की नहीं और ऐसा होने पर उन्हे कौन से विधिक उपचार उपलब्ध है, इस दौरान विद्यालय की शिक्षिका अरुणिमा पांडेय के एक प्रश्न के जवाब में केंद्र के सदस्य सौरभ सिंह ने बताया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के प्रति अपराध को होने से पहले ही रोकने का था इसमें मुख्यतः संस्थान के अंदर ही आंतरिक शिकायत समिति जिसका मुख्य लक्ष्य है ऐसे मामलो कि प्रारंभिक स्तर पर जाँच करते हुए है पीड़ित महिला को उचित न्याय पाने में सक्षम करना, इसी कार्यक्रम के दौरान सदस्यों नें इस अधिनियम में उल्लेखित सभी के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान इस बात पर भी गहन चर्चा की गई की इस अधिनियम की सुचिता और न्याय के नैसर्गिक सिद्धांत को बनाते रखने के लिए किसी प्रकार के द्वेष से किये गए शिकायत पर इस नियम के तहत किस प्रकार के कड़े सजा की भागी बना जा सकता है, वक्ताओं ने विद्यालय के अंदर आंतरिक शिकायत समिति के संगठन पर भी जोर दिया, जिसपर प्रधानाचार्या ने आश्वासन दिया की वो इस पर ध्यान देंगी। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती फाक़ुत काजमी विद्यालय के शिक्षक अनुपमा सिंह, प्रीती मिश्रा, सुशीला सिंह , केंद्र के सदस्य अखिलेश्वर सिंह, अंकित सिंह, हर्ष मिश्रा, सौरभ सिंह , अभिषेक नाग,

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि में पकड़ा गया एक नकलची

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की वैक पेपर परीक्षा में शुक्रवार को एक नकलची पकड़ा गया, जवकि करीव ढाई हजार से अधिक छात्रों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक परीक्षा दी है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एक परीक्षा केन्द्र का दौरा भी किया।

शुक्रवार से शुरू हुई लखनऊ विश्वविद्यालय की वैक पेपर परीक्षा में सुवह की पाली में 1,392 छात्रों ने परीक्षा दी। हालांकि लखनऊ विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र में एक नकलची छात्र पकड़ा गया है। इसके अलावा शाम की पाली में 1,066 छात्रों ने शांतिपूर्वक परीक्षा दी है। वैक पेपर परीक्षा को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन भी सजग रहा। परीक्षा नियंत्रक आनंद मुरारी सक्सेना ने वताया कि विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई है। वहीं दूसरी तरफ वैक पेपर/ इंप्रूवमेंट परीक्षा को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को कालीचरन पीजी कालेज परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

TOI PAGE 4

Vulture census done, details by next week

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The vulture census was conducted in the state on Friday. Forest divisions will compile the data. The compiled data will be forwarded to the Institute of Wildlife Science (IWS), Lucknow University, by the state biodiversity board.

"The compiled data for each division is expected by next week. It will be analysed to gather maximum information on vultures," said Prof Amita Kannaujia, coordinator, IWS.

Vultures at a dumping site in Shahjahanpur

On Friday, vultures were spotted in Unnao, Barabanki, Moradabad, Bareilly, Chitrakoot, Pilibhit, Gonda, Etawah, Shahjahanpur, Noida and other districts.

The census workers collected data on species spotted, locations, number of vultures seen, chicks and eggs, number and location of nests and also the vulture species that the staff could not identify.

This was the first statewide census done in the morning and evening shift to locate the breeding, mating, nesting and roosting sites of vultures besides counting their numbers and collecting other details about the population.

The next census will be done in May.